CURRICULAM HINDI CLASS - VI (TERM - I) 2018-19 पुस्तक वसंत

SR. NO.	CONCEPT	OBJECTIVES	SKILLS	LEARNING STYLES	ACTIVITY	SUBJECT INTEGRATION	OUTCOME	ASSESSMENT
	गद्य भाग	**सामान्य उद्देश्य –**	1. पठन – पाठन		पाठ – पठन,	**English -**	शब्द ज्ञान में	श्रुतलेख द्वारा
		रचनात्मकता का	वाचन, लेखन	Linguistic,	प्रश्नोत्तर पर	प्रेमचंद की	वृद्धि,	आंकलन करना ,
1	पाठ – 2 बचपन (संस्मरण)	विकास, अभिव्यक्ति	व श्रवण कौशल		चर्चा,	विभिन्न	रचनात्मकता	वाचन व लेखन
		की क्षमता का विकास	का विकास	Intrapersonal	श्रवण कौशल,	कहानियाँ	एवं सृजनात्मकता	रूप में प्रश्न
2	पाठ – 3 नादान दोस्त	वाचन के अनुरूप	2. सामाजिक		मूल्यांकन,	**Science -**	का विकास	उत्तर द्वारा
	(कहानी)	लेखन का विकास,	एवं भावनात्मक	Kinesthetic /Bodily	आलोचनात्मक			मूल्यांकन
		हिंदी भाषा के प्रति	कुशलता का		प्राकृतिक	पशु – पक्षियों	भाषा ज्ञान में	करना।
3	पाठ – 5 अक्षरों का महत्त्व	रूचि पैदा करना।	विकास	Visual	अवलोकन,	के विषय में	वृद्धि, लेखन,	चर्चा, स्वानुभव
	(निबंध)	तर्क – वितर्क करने	3. समालोचनात्मक		चित्र – वर्णन,	ज्ञान प्राप्त	पठन कौशल	प्रस्तुति, भाव –
		की क्षमता का विकास	चिंतन का विकास	Logical	स्वानुभव प्रस्तुति	करना	का विकास,	भंगिमा आदि
4	पाठ – 6 पार नज़र के	पाठ के मूल – भाव	4. निर्णय लेने				चिंतन – मनन	के आधार
	(कहानी)	को समझना एवं	की क्षमता	Naturalistic	वाद – विवाद,	विदेशी	का विकास ,	पर आंकलन
		ज्ञान को क्रियात्मक	5. स्वयं की		आशुभाषण,	कहानियाँ	अभिनय कौशल	करना।
5	पाठ – 8 ऐसे – ऐसे	रूप देना	पहचान करने	Interpersonal	परिचर्चा, सामग्री –	पढ़ना।	का विकास	नाटक, संवाद –
	(एकांकी)	**विशिष्ट उद्देश्य**	की योग्यता		संकलन, विचार		श्रवण कौशल	वाचन आदि
	{केवल वाचन व अभिनय}	पाठ – 2	का विकास		लेखन, सूची	**Social Science -**	का विकास	के आधार पर
6	पाठ – 9 टिकट अलबम	बचपन की शरारतों	6. चिंतन कौशल		निर्माण,			मूल्यांकन ,
	(कहानी)	को याद करना	का विकास		कथा लेखन	विभिन्न ग्रहों		अनुच्छेद, शब्द
		एवं उनसे सीख				के विषय में		भंडार, चित्र –
	विशिष्ट उद्देश्य	लेना।			कहानी के अंत	जानकारी,		वर्णन आदि
	पाठ – 8	पाठ – 3			में बदलाव	मंगल ग्रह		का मूल्यांकन
	अनुशासन में रहना,	पशु – पक्षियों से			करते हुए	पर जीवन		करना।
	बड़ो की बात को	लगाव, उनके प्रति			कहानी आगे	है या नहीं		
	मानना।	सद्भावना, माता –			बढ़ाओ।			
	पाठ – 9	पिता का सहयोग,				प्राकृतिक		
	जीवन के मूल्य समझना,	निर्णय लेने की क्षमता				वस्तुओं का		
	अच्छी आदतो को	पाठ – 5				अवलोकन		
	अपनाना।	भाषा के प्रति प्रेम						
		जीवन में अक्षरों का						
		महत्त्व						
		पाठ – 6 समस्या और						
		उसका समाधान,						
		स्थितियों को नियंत्रण						
		में लाना, नौतिकता,						
		कर्तव्यबोध						
	पद्य भाग	**सामान्य उद्देश्य –**						
		कविता का सस्वर	पठन, वाचन,	Linguistic,	कविता के	**अंग्रेजी –**	अभिव्यक्ति की	पठित पद्यांश
1	पाठ – 1 वह चिड़िया जो	वाचक, उचित लय और	लेखन व श्रवण		नए बंध	अंग्रेजी के	क्षमता का विकास	के आधार पर
		सुर का ज्ञान, कठिन	कौशल का विकास	Interpersonal	लिखना।	कवियों से	अलंकारों का	मूल्यांकन करना

2	पाठ – 4 चाँद से थोड़ी गप्पें	शब्दों का शब्दार्थ बोधन, कविता के भाव व शिल्प को समझना, कल्पना शक्ति एवं सृजनात्मकता का विकास, तुकांत शब्दों व उनके प्रवाह का ज्ञान, अलंकारों का ज्ञान। **<u>विशिष्ट उद्देश्य</u>** <u>पाठ – 1</u> प्रकृति से प्यार, साहस, स्वयं पर गर्व करना, अपने गुणों को पहचानना <u>पाठ – 4</u> काल्पनिक दुनिया की सैर करना, परिभ्रमण से वर्ष और मास की गणना, शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष का ज्ञान, उत्तरायण और दक्षिणायन की जानकारी।	जीवन कौशल, सामाजिक कुशलता व भावनात्मक कुशलता का विकास। सस्वर वाचन द्वारा कविता का भाव ग्रहण करना, स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास। स्वयं की पहचान, सहानुभूति का विकास, भावाभिव्यक्ति व सुरूचि निर्माण।	Intrapersonal Logical Naturalistic Visual Musical	कविता का भाव समझना व लिखना चिड़िया के चित्र को कागज़ पर उतारना, कविता का नया शीर्षक बताना। चन्द्रमा की वार्षिक गति को बारह महीनों में विभाजित करना। शुक्लपक्ष और कृष्णपक्ष तथा पूर्णिमा और अमावस्या की गणना। संवत के बारह महीनों के नाम	तुलना करना। अंग्रेजी कविताओं मे उपमा पर वर्णन। **<u>विज्ञान –</u>** विभिन्न चिड़ियों के विषय में ज्ञान **<u>सामाजिक विज्ञान –</u>** सूरज, धरती और चाँद के विषय में जानना।	ज्ञान। भाव – सौंदर्य व शिल्प – सौंदर्य के ज्ञान में वृद्धि।	कल्पना शक्ति, भाषा शैली, वर्तनी, भाव – सौंदर्य आदि के आधार पर मूल्यांकन करना, अपठित – पठित पद्यांश के आधार पर मूल्यांकन करना।

ST. ALBANS SCHOOL CURRICULAM HINDI CLASS - VI (TERM - I) 2018-19

SR. NO.	CONCEPT	OBJECTIVES	SKILLS	LEARNING STYLES & ACTIVITY	SUBJECT INTEGRATION	OUTCOME	ASSESSMENT
	<u>व्याकरण – प्रयोगात्मक</u>	**<u>सामान्य उद्देश्य –</u>**	**<u>श्रवण कौशल</u>**	**Liguistic (Word Smart)**	**English -**		
	एवं व्यावहारिक	भाषा के शुद्ध	छात्र निहित कार्यों को	छात्र पठन – पाठन के अंतर्गत	Language, Grammar,	छात्र शब्द व	छोटी – छोटी लिखित
		रूप का ज्ञान।	ध्यानपूर्वक सुनकर	नए – नए शब्दों का प्रयोग कर	Script, Phonology	उसके विभिन्न	व मौखिक परीक्षाओं
1	भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण	भाषा की नियम –	समझ सकेगा तथा उनका उचित प्रयोग	सकेगा।	Prefix, Suffix, Morphology, Words	रूपों को बोल व लिख सकेगा।	द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।
2	वर्ण – विचार	बद्ध प्रकृति की	समझ सकेगा।	विभिन्न कौशलों के अंतर्गत नए–नए	apparently similar		

3	वर्तनी और वर्ण – विच्छेद	पहचान और उसका विश्लेषण।	**भाषा कौशल**	शब्दों से परिचित होंगे।	in meaning, words with various meanings,	पर्यायवाची, विलोम, वाक्यांश, समरूपी	भाषा में वर्गों का शुद्ध प्रयोग।
	शब्द – विचार		बातचीत के	वर्ग – पहेली के द्वारा संज्ञा, उपसर्ग	Antonyms, Synonyms	भिन्नार्थक, अनेकार्थक	खाली स्थानों में
5	शब्द – भंडार	निर्धारित व्याकरण	दौरान भाषा के	व प्रत्यय से परिचित होंगे।	Punctuation, Idioms,	का प्रयोग	लिंग, वचन आदि
6	उपसर्ग और प्रत्यय	का प्रायोगिक रूप	शब्दों का व वर्तनी		Proverbs, letter	सीखेगा।	भरना, वर्ग पहेली
7	संज्ञा	में ज्ञान करवाना।	का प्रयोग ध्यानपूर्वक	दो दल बनाकर एक दल संज्ञा	writing, paragraph -		द्वारा मूल्यांकन
8	विराम चिह्न		करेगा।	शब्द बोलेगा तथा दूसरा दल उसके	writing, Unseen	उपसर्ग – प्रत्यय	करना
9	मुहावरे	मौखिक और	बोलचाल में विभिन्न	भेद बताएगा।	passage	लगाकर नए	अपठित गद्यांश
10	लोकोक्तियाँ	लिखित अभिव्यक्ति	स्वरों तथा व्यंजनों का	**Kinesthetic/Body Smart**		शब्द बनाना	व पद्यांश में दिए
11	अनुच्छेद	में संपूर्ण भाषा शैली	प्रयोग करना सीखेगा			सीखेगा।	गए प्रश्नों के उत्तर
12	पत्र	का विकास।		वर्ण विचार मे विभिन्न वर्णों का	**संस्कृत**		लिखना।
13	संवाद – लेखन		उच्चारण की	उच्चारण करेंगे।	अनुच्छेद लेखन	वाक्य निर्माण	
14	चित्र वर्णन	बोली, लिपि, व्याकरण,	अशुद्धता अथवा	उपसर्ग तथा प्रत्यय के प्रयोग में	संवाद – लेखन	में विभिन्न	शब्द देकर उपसर्ग
15	संधि विचार (स्वर संधि)	उपसर्ग – प्रत्यय आदि	वर्तनी की अशुद्धता को	एक छात्र मूल शब्द बोलेगा तथा		शब्दों का	एवं प्रत्यय लगाकर
16	कारक	से परिचित कराना	बोलकर व लिखकर	दूसरा उपसर्ग तथा प्रत्यय लगाकर		प्रयोग करना	नए शब्द बनाना।
		व उसका ज्ञान देना।	दूर किया जा सकता	नया शब्द बोलेगा।		सीखेगा।	
			है।				पत्र – लेखन द्वारा
	भाषा, बोली, लिपि	**विशिष्ट उद्देश्य**		विराम – चिह्न पढ़ते समय छात्र		पत्र लेखन,	मूल्यांकन
	व्याकरण, वर्ण विचार		विराम – चिह्नों का	विभिन्न चिह्नों का प्रयोग कर उनका		संवाद – लेखन	अनुच्छेद – लेखन

	शब्द विचार, शब्द – भंडार – पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थक वाक्यांश के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक। उपसर्ग एवं प्रत्यय, विराम – चिह्न, मुहावरे, लोकोक्तियाँ	भाषा, उसके रूप, लिपि, व्याकरण व उसके विभाग, वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार का ज्ञान। वर्ण विचार में स्वर तथा व्यंजन का ज्ञान तथा उनका उपयोग।	प्रयोग कर अपनी बात को प्रभावी ढंग से प्रयोग कर बातचीत कर पाएगा। विलोम शब्द, अनेकार्थक, समरूपी भिन्नार्थक शब्दों आदि का प्रयोग बातचीत के दौरान	(वाक्य का) उच्चारण करेंगे। मुहावरों तथा लोकोक्तियों को अभिनय के द्वारा सांकेतिक भाषा में समझाएँगे। **Interpersonal /People Smart** विराम – चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाक्य बोलेंगे। संवाद – लेखन व अनुच्छेद लेखन		तथा अनुच्छेद लेखन में प्रभावशाली शब्दों का प्रयोग कर पाएगा। संवाद लेखन द्वारा वार्तालाप का महत्त्व पता चलेगा।	द्वारा मनोभावों का मूल्यांकन करना। संवाद – लेखन में वर्तनी का मूल्यांकन करना। मूल्यांकन के समय उनकी प्रत्येक गतिविधि का निरीक्षण किया जाएगा।
		वर्तनी का शुद्ध रूप में प्रयोग सिखाना शब्दों में उपसर्ग प्रत्यय लगाना। वाक्य में लगे विराम चिह्नों की पहचान तथा विराम – चिह्नों का	सही रूप से कर पाएगा। **<u>वाचन कौशल</u>** निहित कार्यों का छात्र शूद्ध वाचन कर सकेगा। मुहावरों लोकोक्तियों	के द्वारा संज्ञा विराम – चिह्न आदि का प्रयोंग समझेंगे। पत्रों पर विचार व्यक्त करेंगे। व्याकरण के विभिन्न विषयों पर विचार करेंगे। **<u>Picture Smart -</u>**			

		उच्चारण करते हुए वाक्य को प्रभावी ढंग से बोलना व लिखना आना तथा भाषा में उनका प्रयोग करना। समरूपी भिन्नार्थक, अनेकार्थक शब्दों के द्वारा बताना कि एक – सा दिखने, सुनाई देने वाले या लगने वाले शब्द अपने अर्थों में कितनी भिन्नता रखते हैं। पर्यायवाची शब्दों के प्रयोग द्वारा वाक्य को सुंदर बनाया जा सकता है। मुहावरे व लोकोक्ति भाषा में रोचकता लाते है। पत्र लेखन में पत्र की आवश्यकता व उपयोगिता बताना। अनुच्छेद लेखन में	आदि का शुद्ध रूप में वाचन कर सकेगा। **<u>लेखन – कौशल</u>** छात्र निहित कार्यों का यथा स्थान उचित प्रयोग कर सकेगा। विलोम शब्द, पर्यायवाची, अनेकार्थक आदि को शुद्ध रूप में लिख सकेगा। मुहावरों आदि का सही रूप में प्रयोग कर पाएगा। संवाद – लेखन में छात्र वार्तालाप को लिखना सीखेंगा। अनुच्छेद में 'क्या व कैसे कहा जाए' पत्र लेखन में छात्र अपनी	चित्र के आधार पर चित्र वर्णन, कहानी लेखन, संवाद लेखन व वाचन करेंगे। चित्र देखकर मुहावरों तथा लोकोक्तियों को बताएँगे। **<u>Self Smart -</u>** विराम चिह्नों का उचित प्रयोग कर वाक्य बनाएँगे। लिंग, वचन आदि का प्रयोग कर वाक्य बनाएँगे। दिए गए विषयों पर अनुच्छेद, पत्र व संवाद – लेखन करेंगे। **<u>Music Smart -</u>** मुहावरे तथा लोकोक्तियों का वाचन कविता के रूप में करेंगे। **<u>Nature Smart -</u>** प्राकृतिक चित्रों पर वर्णन करेंगें			

		विषय को शब्दों में बाँधना सीखना, चित्र – वर्णन में मन के भाव व्यक्त करना, अपठित गद्यांश व पद्यांश से प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से दे पाना।	भावनाओं को शब्दों में बाँधेगा। अपठित पद्यांश व गद्यांश में छात्र उत्तर ठीक ढंग से लिख पाएगा।	प्रकृति से संबंधित विषयों पर अनुच्छेद व संवाद लेखन करेंगे। प्रकृति में विद्यमान संज्ञा बताएँगें तथा उनके भेद भी जानेंगे।				

CURRICULAM HINDI CLASS - VI (TERM - II)पुस्तक वसंत

SR. NO.	CONCEPT	OBJECTIVES	SKILLS	LEARNING STYLES	ACTIVITY	SUBJECT INTEGRATION	OUTCOME	ASSESSMENT
	गद्य भाग	**सामान्य उद्देश्य –** हिन्दी भाषा के प्रति	1. पठन – पाठन, वाचन, लेखन व श्रवण कौशल	Linguistic,	पाठ – पठन, प्रश्नोत्तर पर	अंग्रेजी – **Story of**	शब्द ज्ञान में वृद्धि,	श्रुतलेख द्वारा आंकलन करना ,
1	पाठ – 11 जो देखकर भी नहीं देखते (निबंध)	रूचि पैदा करना। रचनात्मकता का विकास अभिव्यक्ति की क्षमता	का विकास 2. सामाजिक	Interpersonal	चर्चा, श्रवण कौशल, मूल्यांकन आलोचनात्मक	**Life (Auto - biography of Hellen**	रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता का विकास	वाचन व लेखन रूप में प्रश्न उत्तर द्वारा
2	पाठ – 12 संसार पुस्तक है (पत्र)	का विकास, तर्क–वितर्क करने की क्षमता का विकास। पाठ के मूल –	एवं भावनात्मक कुशलता का विकास	Kinesthetic/Bodily Visual	विवेचन समीक्षा, प्राकृतिक अवलोकन,	**Keller)** ''पिता के पत्र पुत्री के	भाषा ज्ञान में वृद्धि, लेखन,	मूल्यांकन करना। चर्चा, स्वानुभव
3	पाठ – 14 लोगगीत (निबंध) {केवल वाचन}	भाव को समझना एवं ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना।	3. समालोचनात्मक चिंतन का विकास 4. निर्णय लेने	Logical	चित्र – वर्णन, स्वानुभव प्रस्तुति	नाम'' **(Letters written**	पठन कौशल का विकास,	प्रस्तुति, भाव – भंगिमा आदि
4	पाठ – 15 नौकर (निबंध)	**विशिष्ट उद्देश्य**	की क्षमता 5. स्वयं की	Naturalistic	वाद – विवाद,	**by Nehru Ji to his daughter Indira)**	चिंतन – मनन का विकास ,	के आधार पर आंकलन करना।
5	पाठ – 17 साँस – साँस में बाँस (निबंध)	पाठ – 11 जीवन में हार न मानना, संघर्ष, आत्मविश्वास, इंद्रियों का सही	पहचान करने की योग्यता का विकास 6. चिंतन कौशल	Intrapersonal	आशुभाषण, परिचर्चा, सामग्री – संकलन, विचार लेखन, सूची –	**S.S.C.** **Collected works of Mahatma Gandhi**	अभिनय कौशल का विकास श्रवण कौशल का विकास	नाटक, संवाद – वाचन आदि के आधार पर मूल्यांकन ,
6	पाठ – पेपरमेशी (Model Reading)	इस्तेमाल। पाठ – 12 चीज़ों का निर्माण, दुनिया की शुरूआत, योजक चिह्नों का ज्ञान पाठ – 14 वाचन द्वारा पढ़ने की ाक्ति का विकास	का विकास		निर्माण, कथा लेखन	का संपादन किया **Science** बाँस बहुतायत		अनुच्छेद, शब्द भंडार, चित्र – वर्णन आदि का मूल्यांकन करना।

		पाठ – 15 गांधी जी के जीवन से सीखना। कर्मठता, काम के प्रति प्रेम। पाठ – 17 जीवन में बाँस का महत्त्व, बाँस के विभिन्न उपयोग, बाँस – एक प्राकृतिक संसाधन।				में कहाँ पाया जाता है, उसका इस्तेमाल		
	पद्य भाग	**सामान्य उद्देश्य –**	विद्यार्थियों में कविता वाचन का विकास करना। लेखन – स्वरचित कविता लेखन की क्षमता का विकास करना। कविता का उचित लय एवं सुर के साथ सस्वर वाचन। श्रवण – कौशल का विकास। समालोचनात्मक चिंतन का विकास, भावाभिव्यक्ति व सुरूचि का विकास करना। कविता – भाव ग्रहण करना।	**Linguistic** **Interpersonal** **Intrapersonal** **Logical** **Naturalistic** **Visual** **Logical** **Musical**	कविता का सस्वर वाचन, अन्य वीर – रस की कविताओं का वाचन, चित्राधारित लेखन, इतिहास की अन्य वीर स्त्रियों की जानकारी एकत्रित करना। सुभद्रा कुमारी चौहान की अन्य रचनाओं की जानकारी। माँ की दिनचर्या, शब्द – युग्म, छुटपन में बच्चों का माँ के करीब होना।	**Social Science** विभिन्न देश – भक्तों के विषय में, आज़ादी के समय हुए अत्याचार, **English** अंग्रेजी कविताओं में उपमा पर वर्णन। माँ की ममता पर आधारित कविताएँ।	विद्यार्थियों में संवेदन – शीलता का विकास होगा स्वयं कविता लिखने की प्रेरणा, वाचन, श्रवण कौशल का विकास। सृजनात्मक व सोच – विचार करने की शक्ति का विकास। भाव सौंदर्य व शिल्प सौंदर्य का विकास। अर्थ बोध की क्षमता का विकास।	विभिन्न मापदंडों द्वारा मूल्यांकन करना। कविता को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करना। प्रस्तुतिकरण, कल्पना शक्ति, वर्तनी आदि मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन करना। काव्य खंड, प्रश्नउत्तर, पठित – अपठित पद्यांश आदि का मूल्यांकन करना।
1	पाठ – 13 मैं सबसे छोटी होऊँ	कविता का उचित लय से सस्वर वाचन, सुर का ज्ञान, कठिन शब्दों का शब्दार्थ बोधन, कविता के भाव व शिल्प को समझना, कल्पना शक्ति एवं सृजनात्मकता का विकास, तुकांत शब्दों व उनके प्रवाह का ज्ञान, अलंकारों का ज्ञान **विशिष्ट उद्देश्य** पाठ – 13 माँ के प्रति प्रेम, छोटा होने की कल्पना, माँ की दिनचर्या को जानना, माँ के आँचल में छिपने की कल्पना पाठ – 10 देश प्रेम, वीरता, इतिहास की अन्य वीर स्त्रियों की जानकारी देश – सेवा, साहस, रोमांच।						
2	पाठ – 10 झाँसी की रानी							

CURRICULUM HINDI CLASS - VI (TERM - II)

S. NO.	CONCEPT	OBJECTIVES	SKILLS	LEARNING STYLES & ACTIVITY	SUBJECT INTEGRATION	OUTCOME	ASSESSMENT

	व्याकरण संज्ञा, संज्ञा के विकार लिंग, वचन, कारक, सर्वनाम, विशेषन, क्रिया, काल, क्रिया विशेषण, विराम – चिह्न, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, अनुच्छेद, पत्र, संवाद – लेखन, चित्र वर्णन। कारक, संधि विचार	**सामान्य उद्देश्य –** भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान। निर्धारित व्याकरण का प्रायोगिक रूप में ज्ञान करवाना। भाषा की नियमबद्ध प्रकृति की पहचान और उसका विश्लेषण करना। मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति में संपूर्ण भाषा शैली का विकास। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण	**श्रवण कौशल** छात्र दिए गए कार्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर समझ सकेगा तथा उनका उचित प्रयोग कर सकेगा। **भाषण कौशल** भाषा में विभिन्न संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया शब्दों का प्रयोग कर भाषा को सुदृढ़ बनाएगा। बातचीत के दौरान लिंग व वचन शब्दों का सही ढंग से प्रयोग कर सकेगा।	**Liguistic (Word Smart)** छात्र पठन – पाठन के अंतर्गत नए – नए का शब्दों का प्रयोग कर सकेगा। पाठ में निहित विभिन्न विलोम, पर्यायवाची, वचन तथा विशेषणों की छात्र सूची बनाएँगे। छात्र हावभाव से व्यवाहारिकता का प्रयोग कर पाएगा। (अपने विचार व्यक्त करेगा) एक छात्र संज्ञा शब्द बोलेंगा व दूसरा उसकी भाववाचक संज्ञा बनाएगा। **Kinesthetic Skill action** मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग शारीरिक क्रियाओं द्वारा	**English -** Noun, Pronoun, Adjective, Verb Adverb, Tenses, Letter Writing Paragraph, Dialogue writing	छात्र शब्द व उसके विभिन्न रूपों को बोल व लिख सकेगा। लिंग, वचन, मुहावरे लोकोक्तियाँ, पर्यायवाची आदि का प्रयोग सीखेगा। विशेषण में विशेष्य के महत्त्व को समझ सकेगा। वाक्य निर्माण करते समय विभिन्न व्याकरणिक शब्दों	वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आदि का उचित प्रयोग करना। खाली स्थान भरना व वाक्य बनाना। लिंग, वचन बदलना (वर्ग पहेली में) अपठित गद्यांश व पद्यांश में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखना। तीनों कालों के वाक्य देकर उनके काल पूछना।

		क्रिया आदि से छात्रो को परिचित कराना व उनका ज्ञान देना। **<u>विशिष्ट उद्देश्य</u>** संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया – विशेषण। लिंग, वचन, विराम चिह्न, पर्यायवाची, विलोम शब्द, अनेकार्थक शब्द।	विराम – चिह्नों का प्रयोग कर अपनी बात को प्रभावी ढंग से बोल सकेगा। विलोम शब्द, अनेकार्थक शब्दों का सही ढंग से प्रयोग बातचीत के दौरान करेगा। **<u>वाचन कौशल</u>** निहित कार्यों का छात्र शूद्ध वाचन कर सकेगा।	**Interperosnal Skill** दिए गए ज्ञान द्वारा छात्र सही शब्दों तथा उचित शैली का प्रयोग करेगा। **Logic Smart** छात्र व्याकरण के नियमों को जानकर उनका यथा संभव प्रयोग करेगा। (श्यामपट, पंर्चियों व वर्गपहेली द्वारा) **Self Smart** निर्धारित व्याकरण का प्रायोगिक रूप में छात्र प्रयोग कर सकेंगा। जैसे – वचन बदलो, लिंग बदलो विलोम शब्द, पर्यायवाची आदि।		का प्रयोग कर सकेगा। पत्र – लेखन, अनुच्छेद लेखन में प्रभावशाली शब्दों का प्रयोग कर पाएगा। संवाद – लेखन द्वारा वार्तालाप का महत्त्व पता चलेगा।	पत्र लेखन द्वारा मूल्यांकन। अनुच्छेद लेखन द्वारा मनोभावों का मूल्यांकन करना। संवाद – लेखन में वर्तनी का मूल्यांकन करना।
		करना। अनेकार्थक शब्दों के अर्थ सिखाना। लिंग व वचन बदलना (शब्दों तथा वाक्यों में)	आदि का शुद्ध रूप में वाचन कर सकेगा। **<u>लेखन कौशल</u>**				

		कारक का अर्थ, उसके भेद व उनकी भाषा में उपयोगिता सिखाना। मुहावरे व लोकोक्तियों का अर्थ तथा उनका सही रूप में वाक्यों में प्रयोग करना सिखाना।	छात्र निहित कार्यों का यथास्थान उचित प्रयोग कर सकेगा। छात्र संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण – क्रिया आदि का प्रयोग शुद्ध रूप कर सकेगा।				
	पत्र – लेखन, संवाद – लेखन अनुच्छेद – लेखन व चित्र वर्णन, अपठित, गद्यांश व पद्यांश	पत्र – लेखन में छात्रों को औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों की आवश्यकता व उपयोगिता बताना। अनुच्छेद – लेखन में छात्र किसी भी विषय को अच्छे शब्दों में बाँधना सीखेगा। संवाद – लेखन द्वारा छात्र संवाद लिखना सीखेगा। चित्र वर्णन में छात्र मन के भाव चित्र देखकर व्यक्त करेगा। अपठित गद्यांश व पद्यांश से छात्र प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से दे पाएगा।	विलोम शब्द, पर्यायवाची का शुद्ध रूप में लिख सकेगा। लिंग व वचन शब्दों का सही रूप से प्रयोग कर लिख सकेगा। संवाद – लेखन में छात्र वार्तालाप लिख सकेगा। अनुच्छेद में 'क्या कहा जाए' व 'कैसे कहा जाए' छात्र लिख सकेगा। पत्र – लेखन में छात्रों को अपने प्रियजनों तक अपनी भावनाएँ पहुँचाना आएगा। अपठित गद्यांश व पद्यांश द्वारा छात्र उत्तर सही ढ़ग से देना सीखेंगे।				